मधुमक्खी पालन बाक्स प्रौद्योगिकी कार्यक्रम का आयोजन

कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन, मध्य प्रदेश (दिनांक 04 मार्च 2025)

मधुमक्खीपालन से बढ़ाये आय, बने आत्मनिर्भर–डॉ. एस.आर.के सिंह

कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन द्वारा राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड द्वारा वित्तपोषित राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन एवं शहद मिशन अन्तर्गत एक दिवसीय मधुमक्खी पालन बाक्स प्रौद्योगिकी आदान वितरण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 04 मार्च 2025 को किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. एस.आर.के सिंह डायरेक्टर अटारी, जबलपुर, नेशनल बी वर्ल्ड के डायरेक्टर श्री प्रवीन रघुवंशी, श्री जी.एस रैकवार अनुविभागीय कृषि अधिकारी, कृषि विभाग, वरिष्ठ वैज्ञानिक व प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र, रायसेन डॉ. स्वप्निल दुबे, डॉ. मुकुल कुमार, डॉ. अंशुमान गुप्ता प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों द्वारा सरस्वती पूजन व दीप प्रज्जवलित कर की गयी। वरिष्ठ वैज्ञानिक व प्रमुख डॉ. स्वप्निल दुबे जी द्वारा स्वागत उद्बोधन करते हुये कहा कि जिले में मधुमक्खी पालन की अपार संभावनाये है जिससे जुड़कर ग्रामीण युवक स्वरोजगार के अवसर बना सकते है।

डॉ. एस.आर.के सिंह ने कहा कि कृषकों को आत्म निर्भर बनने हेतु फसल उत्पादन के साथ–साथ आय में अतिरिक्त साधन हेतु मधुमक्खी पालन, एवं मशरूम उत्पादन जैसे तकनीकी को अपनाना होगा। मधुमक्खी पालन जोकि स्वरोजगार का कृषि आधारित अच्छा व्यवसाय है। मधुमक्खी के द्वारा फसलों में परागण की क्रिया से फसल उत्पादन में 20 से 25 प्रतिशत तक की वृद्धि होती है। पर्यावरण सुरक्षा एवं परिस्थति की विकास हेतु मधुमक्खी पालन बहुत आवश्यक है।

वैज्ञानिक डॉ. मुकुल द्वारा मधुमक्खी पालन हेतु उपयुक्त फसले नीबू, आम, युकेल्प्टिस, अनार, नीम, अमरूद, बेर, सरसों, महुआ, धनिया की जानकारी दी गयी साथ ही मधुमक्खी पालन हेतु उपयुक्त स्थान विभिन्न प्रजातियां व भोजन स्त्रोत की जानकारी दी गयी। वैज्ञानिक श्री आलोक सूर्यवंशी द्वारा मधुमक्खी पालन से प्राप्त होने वाले विभिन्न उत्पाद जैसे शहद, रायल जैली, पराग, मौनविष, मोम, गोद आदि की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गयी।

वैज्ञानिक श्री रंजीत सिंह राघव द्वारा वर्षाऋतु, शीत़ऋतु, ग्रीष्मऋतु में मौन प्रबंधन एवं मधुमक्खी की बीमारिया व कीटनाशकों से मधुमक्खी की सुरक्षा संबंधी जानकारी दी गयी। साथ ही वैज्ञानिक डॉ. अशुंमान गुप्ता एवं लक्ष्मी चक्रवर्ती द्वारा मधुमक्खी पालन पर वीडियो फिल्म के माध्यम से तकनीकी जानकरी दी गयी। इस अवसर पर सभी अतिथियों द्वारा प्रशिक्षित एवं चयनित मधुमक्खी पालकों को मधुमक्खी पालन बाक्स, मधु भोजन पात्र, दस्ताने, शहद चलनी आदि आदान का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम मे सॉची, गैरतगंज, बैगमगंज, सिलवानी, बरेली, औबेदुल्लागंज विकासखंड के लगभग 210 कृषकों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन श्री रंजीत सिंह राघव द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में केन्द्र के श्रीमती लक्ष्मी चक्रवती, सुनील केथवास, डॉ. ब्रम्हानंद शुक्ला, श्रीमती अरूणा सोमकुंवर का विशेष सहयोग रहा।

Shot on motorola edge 50 fusion

Shot on motorola edge 50 fusion

4 मार्च, 2025
विज्ञान केन्द्र, रायसेन (म.प्र.)